Vijaynagar Empire
विजयनगर साम्राज्य

By- Manju Kumar

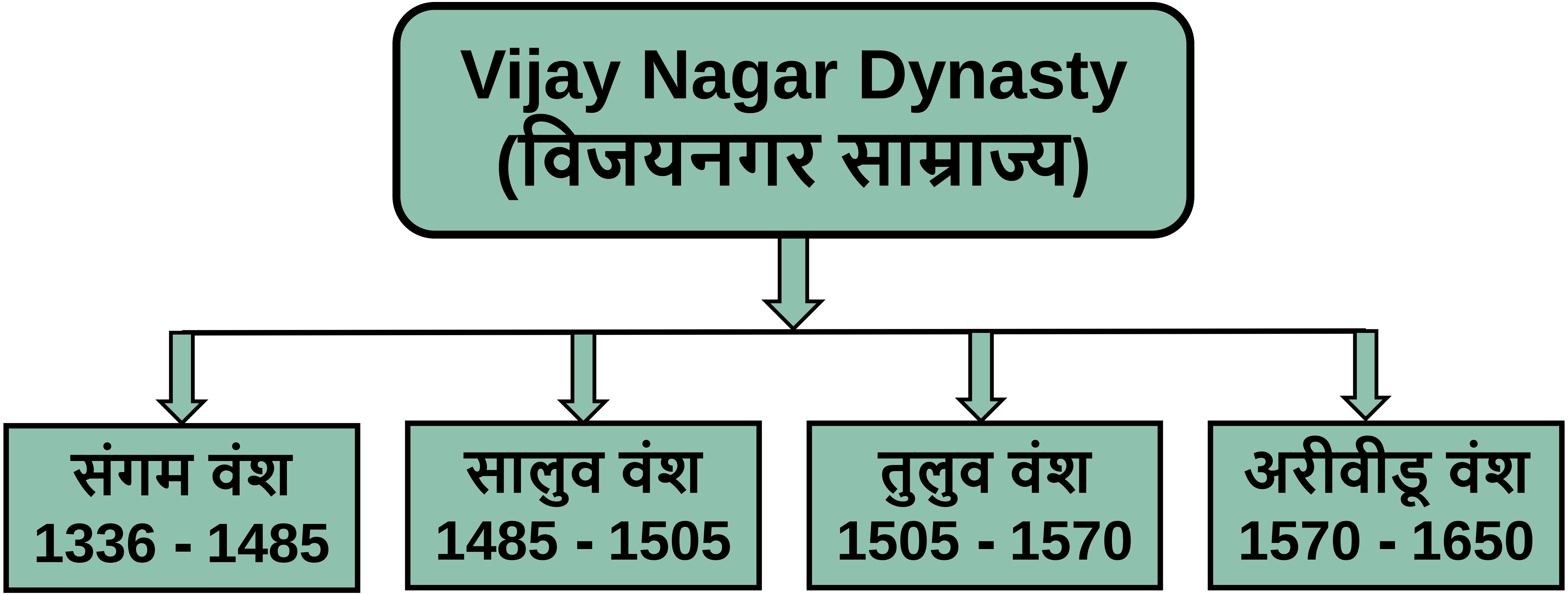
Vijay Nagar Dynasty
(विजयनगर साम्राज्य)
संगम वंश
1336 - 1485
सालुव वंश
1485 - 1505
तुलुव वंश
1505 - 1570
अरीवीडू वंश
1570 - 1650

संगम वंश (1336 - 1485)

➢ **प्रमुख शासक:-**

1. **हरिहर-I (1336 - 1356)**
2. **बुक्का-I (1356 - 1377)**
3. **हरिहर-II (1377 - 1404)**
4. **देवराय-I (1406 - 1422)**
5. **देवराय-II (1422 - 1446)**
6. **मल्लिकार्जुन (1446 - 1465)**
7. **विरूपाक्ष-II (1465 - 1485)**

संगम वंश (1336 - 1485)

- संस्थापक हरिहर-। और बुक्का-। थे.
- काकतीय वंश के सामंत.
- काकतीय वंश के शासक - प्रताप रूद्र.
- काकतीय वंश वारंगल क्षेत्र में उदित हुआ.
- विजयनगर राजधानी के रूप में स्थापित किया.
- विजयनगर तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित.

हरिहर-I
(1336 – 1356)

- विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख शासक.
- 1346 में होयसल राज्य को जीता.
- राजधानी अनेकोंडी के नाम से बनायी.
- 1352 से 53 में पांड्या देश को जीता.

बुक्का-I
(1356 -1377)

- हरिहर-I के भाई और उत्तराधिकारी.
- शैवधर्म के अनुयाई.
- द. भारत में शैवधर्म का विस्तार.
- एक राजदूत चीन भेजा.
- इस समय चीन के शासक तिगोन तिमूर थे.

- **वेद मार्ग प्रतिष्ठापक की उपाधि ली.**
- **कृष्णा नदी, विजयनगर और बहमनी राज्यों की सीमा तय की गई.**

हरिहर-II
(1377-1404)

- महाराजाधिराज की उपाधि धारण की.
- श्रीलंका के शासकों से भी राजस्व प्राप्त किया.
- विरुपाक्ष शिव के अनुयाई.
- फिरोजशाह बहमनी के द्वारा हराया गया.

देवराय- I
(1406 - 1422)

- विजयनगर साम्राज्य के महान शासक, हरिहर-II के मुख्य उत्तराधिकारी.
- अपने राज्य में बहुत सी कल्याणकारी योजनाए चलायी.
- तुंगभद्रा नदी पर एक बांध का निर्माण करवाया.

- सिंचाई के लिए नेहरो का निर्माण करवाया.
- इनके काल में फिरोजशाह बहमनी ने विजयनगर पर आक्रमण किया.
- फिरोजशाह बहमनी ने देवराय-। को तुंगभद्रा नदी के किनारे हराया था.

- इस युद्ध के बाद फिरोजशाह बहमनी ने देवराय-I की पुत्री से विवाह किया.
- इनके काल में इटालवी यात्री निकोल कोन्टी आया.
- प्रसिद्ध तेलुगू कवि श्रीनाथ इनके दरबार में थे.
- श्रीनाथ ने प्रसिद्ध ग्रंथ हरीविलासम लिखा.

देवराय- II
(1422 - 1446)

- विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक
- इनके शासनकाल में विजयनगर का साम्राज्य और संपन्नता चरमोत्कर्ष पर पहुंची .
- इन्हें इम्मादि देवराय और प्रौढ देवराय के नाम से भी जाना जाता था.

- “गजबेटकर” हाथियों का शिकारी की उपाधि धारण की.
- यह स्वयं को इंद्र व कृष्ण का अवतार मानते थे.
- इनके काल में ईरानी यात्री अब्दुर-रज्जाक आए थे.
- इन्होंने कला एवं स्थापत्य साहित्य और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया था.

- इनके दो प्रमुख रचनाएं थी :-

1) महानाटक सुधा निधि
2) ब्रह्मासूत्र – यह एक भाष्य टीका है, मूल रूप से बादरायण ने लिखी थी.

- प्रसिद्ध चीनी यात्री माहयान मल्लिकार्जुन के दरबार में विजयनगर आए थे.
- विरुपाक्ष इस वंश के अंतिम शासक.

सालुव वंश
(1485 - 1505)

- संस्थापक - नरसिंह सालुव.
- नरसिंह सालुव विरुपाक्ष के दरबार में मंत्री थे.
- विरुपाक्ष को गद्दी से हटाकर नरसिंह सालुव ने साम्राज्य प्राप्त.
- विजयनगर में प्रथम बलापहार क्रांति.
- नरसिंह सालुव ने अपने पुत्र के संरक्षक के रूप में नरसा नायक को नियुक्त किया.

- नरसा नायक विजयनगर सेना प्रमुख थे.
- नरसा नायक ने विजयनगर की सारी शक्तियों का अधिग्रहण कर लिया.
- इसे विजयनगर में दूसरी क्रांति या दूसरा बलापहार के नाम से जाना जाता है.

तुलुव वंश
(1505 - 1570)

- संस्थापक - वीर नरसिंह.
- नरसा नायक के पुत्र.
- विजयनगर साम्राज्य का विस्तार किया.
- 1509 में मृत्यु .

कृष्णदेव राय
(1509 – 1529)

- विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक.
- वीर नरसिंह के भाई और उत्तराधिकारी.
- इनके काल में विजय नगर साम्राज्य का विस्तार चरमोत्कर्ष पर हुआ.
- कृष्णदेव राय ने सभी विरोधियो को दबा दिया, उदयगिरी को गजपति शासकों से छीन लिया.

- यवनराज की उपाधि धारण की, इनके दरबार में 8 महान कवि थे, जिन्हें अष्ट दिग्गज के नाम से जाना जाता था.
- तेलुगु भाषा का स्वर्णकाल.
- इनको आंध्रभोज के नाम से भी जाना जाता था.
- एक नया नगर नागलपुर बसाया.

- दरबार में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति तेनालीराम थे.
- पेददाना - प्रमुख कवि.
- पेददाना को आंध्र कविताओं के वयोवृद्ध कहा जाता था.
- पेददाना ने प्रसिद्ध ग्रंथ मनुकारिता लिखा.
- कृष्णदेव राय स्वयं भी बहुत प्रसिद्ध लेखक थे.

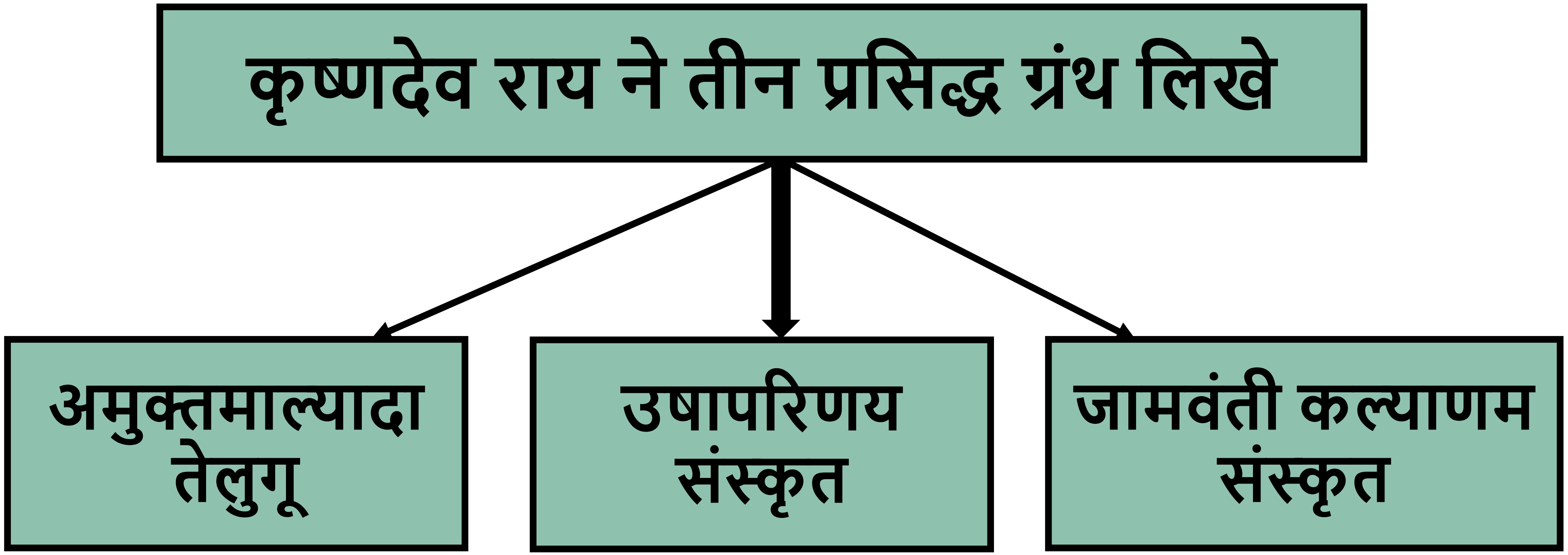
कृष्णदेव राय ने तीन प्रसिद्ध ग्रंथ लिखे
अमुक्तमाल्यादा
तेलुगू
उषापरिणय
संस्कृत
जामवंती कल्याणम
संस्कृत

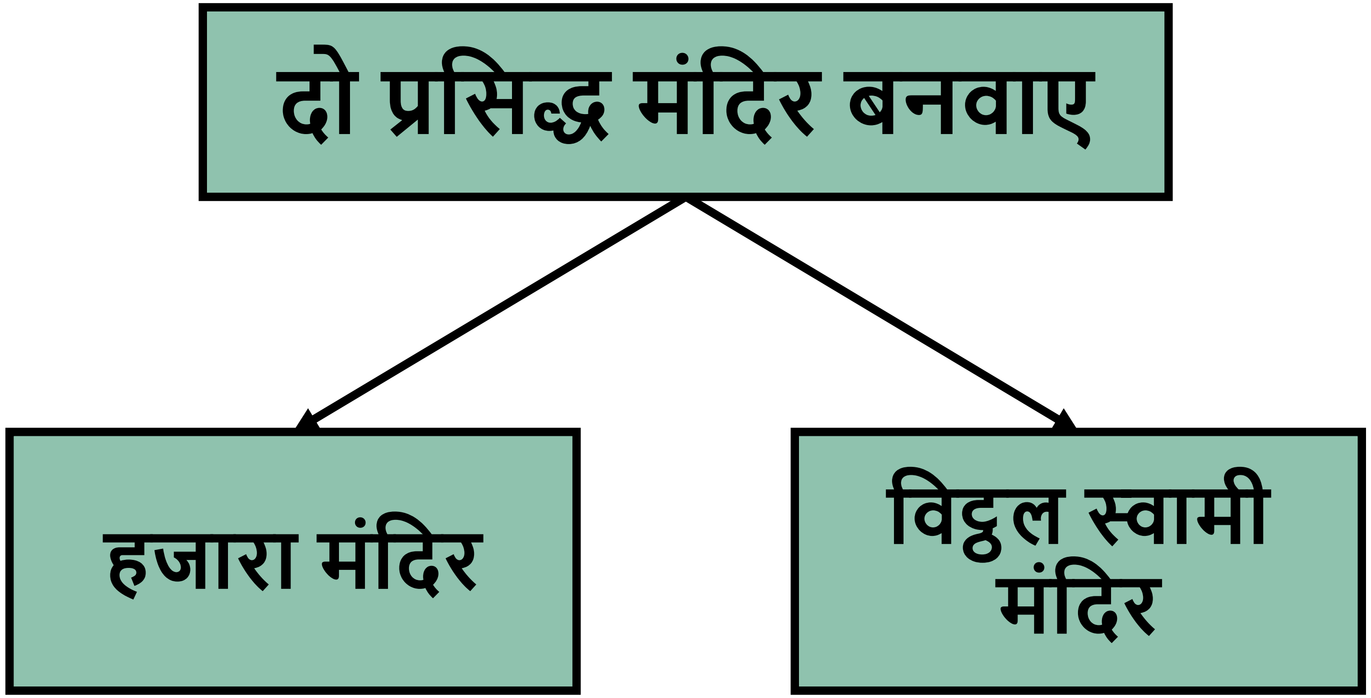
दो प्रसिद्ध मंदिर बनवाए
हजारा मंदिर
विट्ठल स्वामी मंदिर

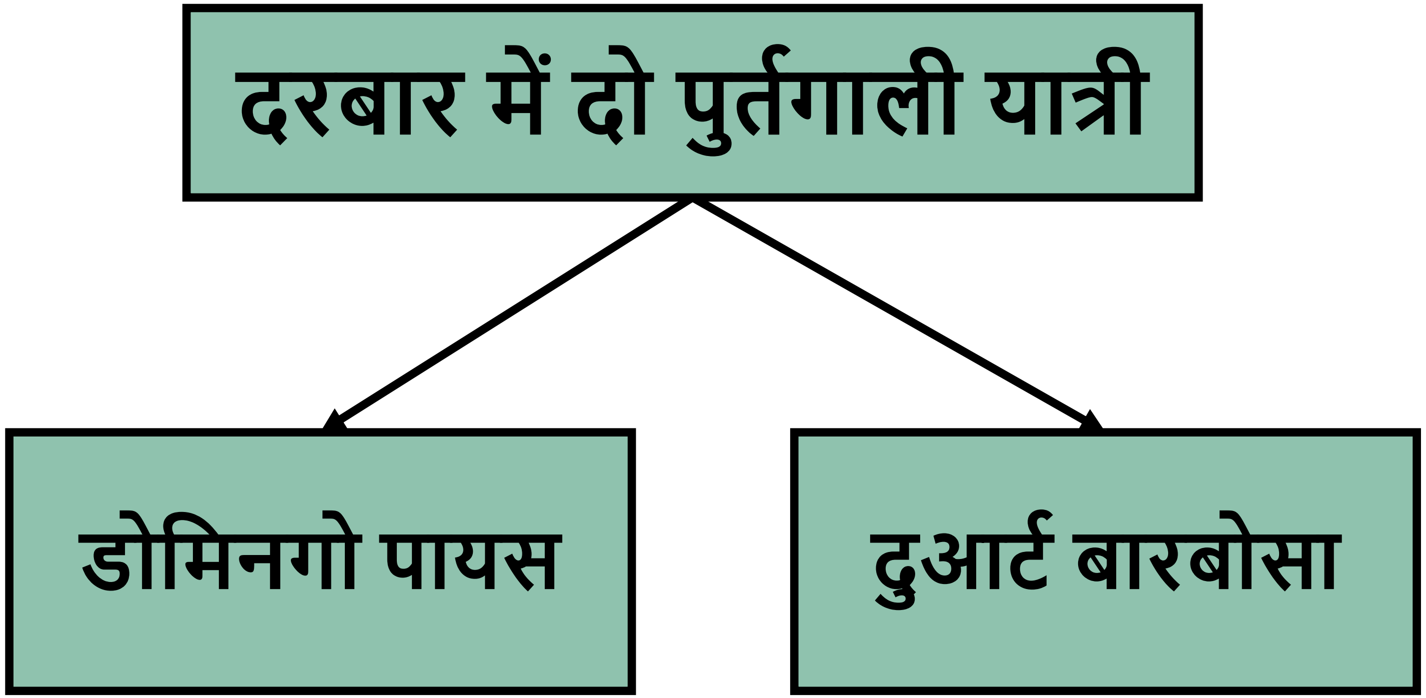
दरबार में दो पुर्तगाली यात्री
डोमिनगो पायस
दुआर्ट बारबोसा

- **बाबर ने अपनी आत्मकथा बाबरनामा में इन्हें भारत का महानतम शासक बताया था.**
- **मृत्यु - 1529 ई.**
- **अपनी मृत्यु के पहले अच्युतदेव राय को अपने उत्तराधिकारी घोषित किया.**

अच्युतदेव राय
(1529 – 1542)

- प्रसिद्ध पुर्तगाली यात्री नूनीज विजयनगर आए.
- नए अधिकारी प्रशासनिक महामंडलेश्वर का पद सृजित किया.
- इस वंश के अंतिम शासक सदाशिव राय थे.

सदाशिवराय
(1542 – 1565)

- अयोग्य शासक.
- अच्युतदेव राय के उत्तराधिकारी.
- प्रसिद्ध तालीकोटा का युद्ध (1565).
- प्रत्यक्षदर्शी विदेशी राजदूत - सेवेल.

- युद्ध के दौरान रामराय की हत्या कर दी गई.
- तिरुमल ने 1570 में एक नए वंश अरीवीडु की स्थापना की.
- अपने राज्य की राजधानी बेनुकोंड़ा को बनाया.

अरीवीडू वंश (1570-1650)

- संस्थापक – तिरुमल
- राजधानी – बेनुकोंड़ा
- उत्तराधिकारी – वेंकट- II.
- वेंकट-II ने पेनुकोंड़ा को राजधानी बनाया.
- विजयनगर के पतन के पश्चात मैसूर पर आडयार वंश का शासन हुआ.
- श्रीरंग-III वंश के अंतिम शासक.

विजयनगर की प्रशासन व्यवस्था

- विजयनगर साम्राज्य में राजा सबसे शक्तिशाली होते थे.
- राष्ट्र को 7 इकाइयों में बांटा जाता था.

➢ 7 इकाई :-

1. राष्ट्र
2. राज्य -- प्रांत
3. मंडल -- सम्भाग
4. कोट्टूम/वालनाडू -- जिले
5. नाडू -- परगना
6. मेलाग्राम -- 50 ग्राम स्थलों का समूह
7. उर्र (ग्राम)

Ministers (मंत्री)

1. नायक - सैन्य अधिकारी (आर्मी कमांडर)
2. महानायकाचार्य - ग्राम सभा का पर्यवेक्षक
3. दंड नायक - सेना का प्रधान अधिकारी
4. सभा नायक - सभापति (Speaker)
5. महा प्रधानी - प्रधानमंत्री
6. रायसम - सचिव
7. कर्नीकम - एकाउंटेंट
8. मानेय प्रधान - गृहमंत्री

Thank You